Dt 22.4.24
Pg 1 D+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) पृष्ठ-174

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण-7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

वीवा हिंदी व्याकरण-7 के पृष्ठ-174 पर दिया अपठित गद्यांश का यह कार्य आपको 22.4.24 को भेजा जा रहा है।

अपठित गद्यांश अर्थात् ऐसा गद्यांश जो पहले न पढ़ा गया हो। इसका उद्देश्य लिखित सामग्री को पढ़कर उसका आशय समझने की क्षमता को परखना होता है।

बच्चो! अपठित का अर्थ है - जो पहले न पढ़ा गया हो और गद्यांश का अर्थ है - गद्य का ऐसा अंश जिसे पहले न पढ़ा गया हो। ऐसे गद्यांश देकर उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इससे छात्रों के रचनात्मक कौशल एवं समझने की योग्यता का विकास होता है। प्राय: हम पाठ्य पुस्तकों के गद्यांशों को पढ़ते व समझते हैं, इससे दिए गद्यांश को समझने व उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता का विकास होता है। इस योग्यता को और विकसित करने व सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए अपठित गद्यांश का अभ्यास कराया जाता है। कभी-कभी दिए गए अवतरण का शीर्षक भी लिखने को कहा जाता है।

अपठित गद्यांश के संबंध में ध्यान देने योग्य प्रमुख बातें -

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

Dt. Pg 2 B+

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) पृष्ठ - 174

1. दिए गद्यांश को एक-दो बार ध्यान से पढ़ना चाहिए, जिससे उसका मूल भाव स्पष्ट हो सके।
2. गद्यांश को पढ़ते समय विशिष्ट बातों को रेखांकित कर लेना चाहिए।
3. उत्तर को अधिक विस्तार देने की आवश्यकता नहीं होती। उत्तर की भाषा सरल, सहज और व्यावहारिक होनी चाहिए।
4. गद्यांश का शीर्षक देते समय संक्षिप्तता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। शीर्षक ऐसा होना चाहिए, जिससे गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट हो सके।

अपठित गद्यांश का परीक्षा में बहुत महत्त्व होता है क्योंकि इसमें अंकों का अधिक अंश समाहित होता है अर्थात् प्रश्न-पत्र में अपठित गद्यांश अधिक अंकों का होता है।

बच्चो, अब मैं आपको अपठित गद्यांश दे रही हूँ। इसे पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो।

महानगरों में भीड़ होती है, समाज या लोग नहीं बसते। भीड़ उसे कहते हैं जहाँ लोगों का जमघट होता है। लोग तो होते हैं लेकिन उनकी छाती में हृदय नहीं होता, सिर होते हैं, लेकिन उनमें बुद्धि या विचार नहीं होता। हाथ होते हैं, लेकिन उन हाथों में पत्थर होते हैं, विध्वंस के लिए, वे हाथ निर्माण के लिए नहीं होते। यह भीड़ एक अंधी गली से दूसरी गली की ओर जाती है, क्योंकि भीड़ में होने वाले लोगों का आपस में कोई रिश्ता नहीं होता। वे एक-दूसरे के कुछ भी नहीं लगते। सारे अनजान लोग इकट्ठा होकर विध्वंस करने में एक-दूसरे का साथ देते हैं, क्योंकि जिन इमारतों, बसों या रेलों में ये तोड़-फोड़ के काम करते हैं, वे उनकी नहीं होतीं और न ही उनमें सफर करने वाले उनके अपने होते हैं। महानगरों में लोग एक ही बिल्डिंग में पड़ोसी के तौर पर रहते हैं, लेकिन यह पड़ोस भी संबंधरहित होता है। पुराने जमाने में दही जमाने के लिए जामन माँगने पड़ोस में लोग जाते थे, अब हर फ्लैट में फ्रिज है, इसलिए जामन माँगने जाने की भी जरूरत नहीं रही। सारा पड़ोस, सारे संबंध इस फ्रिज में 'फ्रीज' रहते हैं।

प्रश्न-(क) 'महानगरों में भीड़ होती है, समाज या लोग नहीं बसते' इस वाक्य का क्या आशय है? (पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश)(पृष्ठ-174)

(ख) 'विध्वंस' का विलोम शब्द लिखें।
(ग) भीड़ का क्या अर्थ है?
(घ) सारे संबंध इस फ्रिज में 'फ्रीज' रहते हैं- ऐसा क्यों कहा जाता है?
(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें।
(च) 'फ्रिज' और 'फ्रीज' में क्या अंतर है?

सब बच्चे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।
धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner